PAPER-III
BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
   (Name) _____
2. (Signature) _____
   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 60 11

Time : **2 1/2** hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये । **इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।**
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES
बौद्ध, जैन, गांधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ** (200) अंकों का है एवं इसमें **चार** (4) खण्ड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ** (500) शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Throw light on the contribution of lord Buddha to Indian Philosophy.
भारतीय दर्शन के लिए भगवान बुद्ध के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Explain in detail the seven fundamentals according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार सप्त पदार्थों का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Examine the relevance of Gandhi's perception of non-violence in the present context.
गान्धीजी के अहिंसा दर्शन के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए ।

2. Write an eassy on the contribution of Buddhaghosa to Buddhism.
बौद्धधर्म को बुद्धघोस के योगदान पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR / अथवा

Describe in detail the subject matter of Ācārāṅgasūtra, Uttarādhyayanasūtra, Kalpasūtra and Tattvarthasūtra.
आचारांगसूत्र, उत्तराध्ययनसूत्र, कल्पसूत्र एवं तत्त्वार्थसूत्र की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Define Sarvodaya and examine its basic components.
सर्वोदय की परिभाषा दीजिए और इसके मुख्य अंशों का परीक्षण कीजिए ।

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen(15)** marks each, to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 Marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन** (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Describe the main teachings of lord Buddha in brief.
भगवान् बुद्ध की प्रमुख शिक्षाओं का संक्षेप में विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write a note on the contribution of lord Rishabhadeva.
भगवान् ऋषभदेव के योगदान पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Critically examine Gandhi's concept of political decentralization.
गान्धीजी की राजनैतिक विकेन्द्रीयकरण की अवधारणा का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

4. Write a note on main schools of Buddhism.
बौद्धधर्म के प्रमुख सम्प्रदायों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Describe the concept of Knowledge and it's kinds according to Jainism.
जैनधर्म के अनुसार ज्ञान के स्वरूप एवं उसके भेदों का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss Gandhi's concept of trusteeship and its applicability.
गान्धीजी की न्यासिता की अवधारणा तथा इसकी व्यवहार्यता का विवेचन कीजिए ।

5. Throw light on Four Noble Truths.
चार आर्य सत्यों पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Throw light on the works of Achārya Kundakunda.
आचार्य कुन्दकुन्द के ग्रन्थों पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

"Science without Humanity is an evil" – Comment.
"मानवता के बिना विज्ञान एक बुराई है ।" टिप्पणी कीजिए ।

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

नोट : इस खण्ड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ** (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Write a note on Bodhisattva.

बोधिसत्व पर टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Write a brief note on the life of Lord Mahavira.

भगवान् महावीर के जीवन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

State briefly the concept of Swadeshi.

स्वदेशी की अवधारणा का संक्षिप्त विवरण दीजिए ।

7. Describe any interesting event of lord Buddha's childhood life.
भगवान् बुद्ध के बचपन के जीवन की किसी रोचक घटना का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Describe six substances according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार छह द्रव्यों का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

Explain Gandhian concept of self realizations.
आत्मबोध (आत्म-सिद्धि) की गांधीय अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

8. When and where was the second Buddhist council held ? Discuss.
द्वितीय बौद्ध संगीति कब और कहाँ हुयी थी ? प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Throw light on Aṇuvratas according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार अणुव्रतों पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Bring out the difference between passive resistance and satyagraha.
सत्याग्रह और निष्क्रिय प्रतिरोध में अन्तर बताइये ।

9. Discuss the route through which Buddhism reached Japan.
जापान में बौद्ध धर्म किस रास्ते से पहुँचा ? विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

What is the contribution of Acharya Haribhadrasūri to Jainism ? Explain.
जैन धर्म के लिए आचार्य हरिभद्रसूरि का क्या योगदान है, स्पष्ट करें ।

OR / अथवा

What do you mean by "Small is beautiful" ?
"लघु ही सुन्दर है", से आपका क्या तात्पर्य है ?

10. Explain the concept of Pratītyasamutpāda.
प्रतीत्यसमुत्पाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Write a short note on 'Ratnatraya'.
'रत्नत्रय' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Briefly state the concept of non-violent ecology.
अहिंसक परिवेश-विज्ञान की अवधारणा का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

11. Enlist the titles of works of Ācharya Dinnāga.
आचार्य दिङ्नाग के ग्रंथों के नाम लिखिए ।

OR / अथवा

Write a short note on Jaina Temples of Mount Abu.
माउन्ट आबू के जैन मंदिरों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Explain Gandhi's views on Caste Systems.
जाति-प्रथा के सम्बन्ध में गान्धीजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

12. Define Sammāditthī.

सम्मादिट्ठी की परिभाषा दीजिए ।

OR / अथवा

Write a short note on significant Jaina images of Mathura museum.

मथुरा संग्रहालय की महत्त्वपूर्ण जैन प्रतिमाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Briefly state Gandhi's views on Machinization.

संक्षिप्त रूप में मशीनीकरण के सम्बन्ध में गान्धीजी के विचारों का वर्णन कीजिए ।

13. How many texts are included in the Khuddakanikāya ? Enumerate them.
खुद्दकनिकाय में कितने ग्रंथ सम्मिलित हैं ? उनके नाम गिनाइए ।

OR / अथवा

Write a note on main schools of Jainism.
जैन धर्म के प्रमुख सम्प्रदायों पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

What is the central message of 'Hind Swaraj' ?
हिन्द-स्वराज का मुख्य सन्देश क्या है ?

14. Discuss the importance of Vipassanā in Buddhism.
बौद्ध धर्म में विपस्सना के महत्त्व पर प्रकाश डालें ।

OR / अथवा

Write a note on Vegetarianism and Jain way of life.
जैन जीवन पद्धति और शाकाहार पर एक टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Explain the techniques of conflict resolution.
टकराव के समाधान की तकनीकों को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

The whole secret of education for self-control is to reach out to something higher, sweeter and more satisfying than the material and mundane things of life: something that is more life – giving, more attractive, than life itself. Here is where the 'religious' element comes in, for spiritually realized souls know, from personal experience, that contact with God, with that Inner Voice reverberating within, is so sweet that one is voluntarily ready to sacrifice anything for its sake. Once this contact is established one can live in the midst of all worldly temptations and yet not fall a prey to them. This state, so different from that of forced self-denial, is the real test of self-control, and the true goal of all religions.

आत्म-संयम के लिए शिक्षा की पूर्ण सच्चाई यह है कि हम जीवन की भौतिक और नश्वर वस्तुओं की अपेक्षा अधिक श्रेष्ठ, सुखदायी और सन्तोषप्रद लक्ष्य तक पहुँचें, जो जीवन से अधिक जीवन्त हो, अधिक आकर्षक हो । इस प्रक्रिया में धार्मिक तत्त्व आ जाते हैं जब हम आध्यात्मिक रूप से आत्म-साक्षात्कार करते हैं और व्यक्तिगत अनुभवों द्वारा ईश्वर से सम्बन्ध स्थापित करते हैं । यह आन्तरिक अनुभव इतना सुखदायी होता है कि व्यक्ति स्वयं इस लक्ष्य के लिए अपना सब कुछ त्याग करने के लिए तैयार हो जाता है । एक बार यह आध्यात्मिक सम्बन्ध स्थापित हो जाने पर व्यक्ति सभी सांसारिक तनावों के बीच में रहने में समर्थ हो जाता है और वह उन्हें दूर करने की प्रार्थना भी नहीं करता । यह अवस्था उससे सर्वथा भिन्न है, जो आत्म-अस्वीकृति से आती है, यह आत्म-संयम की वास्तविक परीक्षा है और सभी धर्मों का यही वास्तविक लक्ष्य है ।

15. What is the secret of education for Self-Control ?
आत्म-संयम के लिए शिक्षा का रहस्य क्या है ?

16. What do the spiritually realised souls know ?
आध्यात्मिक रूप से प्रतिबुद्ध आत्माएँ क्या अनुभव कर लेती हैं ?

17. What are the advantages of having established contact with God ?
ईश्वर से सम्बन्ध स्थापित हो जाने के क्या लाभ हैं ?

18. What is the true goal of all religions ?
सभी धर्मों का वास्तविक लक्ष्य क्या है ?

19. What is the central message you derive out of this passage ? Explain.
इस अनुच्छेद का केन्द्रीय-सन्देश क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....